

**सापेक्ष वि.** (तत्.) 1. जिसमें किसी विशेष वस्तु, गुण, शिक्षा आदि की प्राप्ति की अपेक्षा हो 2. जो किसी के सहयोग की अपेक्षा करता हो; जो दूसरे पर आश्रित हो 3. किसी की अपेक्षा करने वाला।

**सापेक्षता स्त्री.** (तत्.) 1. सापेक्ष होने की अवस्था या भाव 2. एक वैज्ञानिक सिद्धांत जिसमें गुरुत्वाकर्षण आदि के सिद्धांतों का खंडन करके सिद्ध किया गया है कि विश्व की सारी गति सापेक्ष है जैसे-दिक् और काल की गति परस्पर सापेक्ष है, इसे जर्मन वैज्ञानिक आंस्टीन का भी सिद्धांत कहते हैं, सापेक्षता का सिद्धांत।

**सापेक्षमिति स्त्री.** (तत्.) शारीरिक किसी अंग की सापेक्षिक वृद्धि का मापन व सम्यक अध्ययन।

**सापेक्षवाद वि.** (तत्.) 1. वह वाद या सिद्धांत जिसमें दो वस्तुओं, विचारों आदि को एक दूसरे का अपेक्षक माना जाता है 2. दर्श. वह मत जिसमें ज्ञान, सत्य और मूल्य स्थान, कालभेद व अनुभव के अनुसार परिवर्तनीय होते हैं।

**सापेक्षवादी वि.** (तत्.) जो सापेक्षवाद से संबंधित हो पुं. सापेक्षवाद का अनुयायी या समर्थक।

**सापेक्षिक वि.** (तत्.) जो सापेक्ष हो।

**साप्तपद वि.** (तत्.) सप्तपदी-संबंधी पुं. 1. सप्तपदी (विवाह से संबंधित) 2. घनिष्ठता 3. मैत्री।

**साप्तदीन वि.** (तत्.) सप्तपदों से संबंधित।

**साप्तमिक वि.** (तत्.) सप्तमी से संबंधित, सप्तमी का।

**साप्ताहिक वि.** (तत्.) 1. सप्ताह संबंधी 2. सप्ताह में एक बार होने वाला जैसे- साप्ताहिक अवकाश, साप्ताहिक पत्र, पत्रिका।

**साफ वि.** (अर.) 1. जिस पर या जहाँ धूल, मैल या गंदगी आदि न हो। स्वच्छ, निर्मल 2. जो किसी प्रकार के दोष से रहित हो साफ-सुथरा 3. जो शुद्ध अर्थात् कोई मिलावट न हो 4. जिसका व्यवहार निश्छल हो, मन से साफ आदि भी 5.

स्पष्ट रूप से कहा हुआ, साफ-साफ कह दिया 6. किसी बात का भ्रम रहित होना जैसे- अब बात साफ हो गई।

**साफगोई स्त्री.** (अर.+फा.) किसी बात को या सच्ची बात को यथावत् स्पष्ट रूप से कहने की स्थिति, स्पष्टोक्ति।

**साफल्य वि.** (तत्.) 1. सफलता युक्त, सफलता 2. कृतकृत्यता 3. सिद्धि।

**साफ़ा पुं.** (अर.) सिर पर विशेष ढंग से लपेटकर बाँधे जाने वाली पगड़ी।

**साफी वि.** (अर.) 1. किसी वस्तु आदि को साफ करने वाला 2. रक्त शोधन करने वाली एक ओषधि स्त्री. एक मीटर लंबा कपड़े का विशेष आकार वाला टुकड़ा या वस्त्र जो शरीर पोंछने, सिर में बाँधने के काम आता है तथा ग्रामीण जन कंधे में डालकर चलते हैं 2. दूध, रस आदि छानने का वस्त्र।

**साबका पुं.** (अर.) दे. साबिका।

**साबड़ पुं.** (देश.) साबर, चमड़ा।

**साबत पुं.** (तद्.) सामंत वि. वह फल आदि जो पूरा का पूरा हो अर्थात् जिसके टुकड़े न किए गए हो। साबुत, समूचा।

**साबति स्त्री.** (अर.) साबुत होने की अवस्था या भाव, पूर्णता वि. दे. साबुत।

**साबर पुं.** (तद्.) 1. सांभर, हिरन, साँभर हिरन का चर्म 2. थूहड़ 3. शबर नामक जाति 4. मिट्टी खोदने का सब्बर 5. शिवकृत एक सिद्ध मंत्र 6. शबर जाति से संबद्ध, जंगली जाति 7. अपराध, पाप 8. शाबरी तांत्रिक विद्या।

**साबरमंत्र वि.** (तद्.) शाबरमंत्र, विशेष तांत्रिक मंत्र।

**साबिक वि.** (अर.) 1 प्राचीनकाल का, पहले का जैसे- साबिक दस्तूर- पूर्ण जैसा ही, वैसा ही।

**साबिका पुं.** (अर.) 1. आपसी परिचय, मुलाकात 2. सरोकार, वास्ता 3. किसी के साथ लेन-देन का व्यवहार मुहा. किसी से साबिका पड़ना-